''माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के मध्य समायोजन का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन''

जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं के शिक्षा अधिस्नातक (एम. एड.) उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध – प्रबन्ध

2015–2017

निर्देशक

प्रो. बी. एल. जैन

शोधकर्त्री

बीना बैरवा

एम. एड. (छात्रा)

शिक्षा विभाग

जैन विश्व भारती संस्थान

लाडनूं – 341306 (राजस्थान)

घोषणा पत्र

मैं बीना बैरवा शोधकर्त्री जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय लाडनूँ यह घोषणा करती हूँ मैनें अपना लघु शोध कार्य जिसका शीर्षक ''माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के मध्य समायोजन का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन''। प्रोफेसर बी. एल. जैन के कुशल एव प्रेरणास्पद मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

दिनांक

शोधकर्त्री

बीना बैरवा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि बीना बैरवा **M.Ed** (छात्रा) द्वारा ''माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के मध्य समायोजन का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन''। विषय पर लघुशोध प्रबंध का कार्य मेरे निर्देशन में सम्पन्न किया गया हैं।

निर्देशक

प्रोफेसर बी. एल. जैन

(विभागाध्यक्ष, जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूँ)

आभार प्रसून

''या कुन्देन्दु तुषार हार धवला,
या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणा वरदण्डमण्डितकरा,
या श्वेत् पदमासना।।''

सर्वप्रथम मैं ''माँ'' सरस्वती को नमन करती हूँ। प्रस्तुत शोध प्रबंध **''माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के मध्य समायोजन का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन''** को विद्ववतजनों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अति प्रसन्नता की अनुभूति हो रही हैं। यह लघुशोध प्रबंध मेरा प्रथम प्रयास है जिसे सौभाग्यवश इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय के विद्ववतजनों का आशीष व सरंक्षण प्राप्त हुआ हैं। शोधार्थी ने एम.एड. आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया हैं।

अतः उनके प्रति आभार प्रदर्शन करना मैं अपना कर्त्तव्य समझती हूँ। आभार प्रदर्शन करते हुए मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूँ।

फिर भी मैने आभार व्यक्त करने का प्रयास किया है इस शोध को प्रभावी और सफलतापूर्वक पूर्ण कराने का श्रेय मेरे निदेशक (प्रोफेसर) श्री बी. एल. जैन को है जिनके विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन एवं सुक्ष्म पर्यवेक्षण में यह शोध प्रबंध पूर्ण हुआ इसके लिए मै ऋणी रहूँगी। इन्होनें अपने व्यस्त जीवन के अमूल्य क्षणों में से इस कार्य को सम्पूर्ण कराने हेतु उन्होनें जिस निष्ठा के साथ सहयोग किया है वह अविस्मरणीय हैं। मै नतमस्तक हो इन्हें अपना हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ।

इस शोध प्रबंध को समय पर पूर्ण करने का श्रेय मेरे निर्देशक (प्रोफेसर) श्री बी. एल. जैन, डॉ गिरिराज भोजक, डॉ मनीष भटनागर, डॉ भावाग्राही प्रधान, डॉ विष्णु कुमार, डॉ. सरोज राय, डॉ.आभा सिंह, डॉ. अमिता जैन, डॉ.गिरधारी लाल शर्मा पुस्तकालयध्यक्ष महिमा जैन, जैन विश्व भारती शिक्षण संस्थान लाडनूँ (नागौर) को जाता है जिनके

विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन, स्नेह, एवं सुक्ष्म पर्यवेक्षण में यह शोध प्रबंध पूर्ण हुआ है। इसके लिए मै उनकी ऋणी रहूँगी। वस्तुतः शोध प्रबन्ध उनके निरन्तर पथ प्रदर्शन एवं सक्रिय सहयोग का ही परिणाम है मैं नतमस्तक होकर आभार प्रकृट करती हूँ जिनके कुशल संचालन, नेतृत्व, निर्देशन उच्च विचारों, आदर्श व्यवहार प्रेरणापूर्ण प्रोत्साहन ने लघुशोध प्रबंध कार्य को सरल एवं सहज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

मैं उन लेखकों, विचारकों का भी हृदय से कृतज्ञ हूँ जिनके विचारों का समावेश इस लघु शोध कार्य में स्थान–स्थान पर किया गया हैं।

मैं अपने पिताजी श्री **पांचुराम जी**, माताजी **– बादाम देवी,** ससुर **श्री भागचन्द्र जी,** सास **श्रीमती रूपा देवी,** पति **श्री किशोर कुमार** सबसे ज्यादा आभार अपनी पुत्री **अंजली व लक्षिता,** मित्र **सरिता यादव, मन्जु, सपनेश,** भाई **रामपाल व घनश्याम** तथा साथ ही साथ अपने समस्त परिवार के सदस्य का आभार प्रकृट करती हूँ क्योंकि इनके सहयोग से ही मेरा यह शोध कार्य पूर्ण हो पाया।

अन्त में मैं **भंवरलाल सैनी** की आभारी हूँ जिनके अथक परिश्रम अनुभव व सहयोग से ही यह लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया जाना सम्भव हो सका।

अंत में मैं परमपिता परमात्मा का शत् शत् नमन करती हूँ जिन्होनें मुझे इस योग्य बनाया कि मैं प्रस्तुत शोध का अध्ययन कर सकी।

स्थान – लाडनूँ

दिनाक –

प्रस्तुतकर्त्री

बीना बैरवा

(एम.एड छात्रा)

अध्यायों का वर्गीकरण

क्र. सं.	विषय–वस्तु	पृष्ठ संख्या
अध्याय प्रथम	**शोध परिचय**	**1–11**
1.1	प्रस्तावना	
1.2	समस्या का औचित्य	
1.3	समस्या कथन	
1.4	समस्या से उभरने वाले प्रश्न	
1.5	शोध के उद्देश्य	
1.6	तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण	
1.7	शोध की परिकल्पनाएँ	
1.8	चर	
1.9	न्यादर्श	
1.10	समस्या का परिसीमन	
अध्याय द्वितीय	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	**12–27**
2.1	प्रस्तावना	
2.2	सम्बन्धित साहित्य का अर्थ व परिभाषाएँ	
2.3	सम्बन्धित साहित्य के उद्देश्य	
2.4	सम्बन्धित साहित्य के स्रोत	
2.5	सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन के लाभ	
2.6	सम्बन्धित शोध अध्ययन	
तृतीय अध्याय	**शोध परिकल्पना, शोध विधि ,न्यादर्श ,उपकरण एवं सांख्यिकी**	**28–50**
3.1	प्रस्तावना	
3.2	अनुसंधान विधि का अर्थ व परिभाषाएँ	

3.3	शोध में प्रयुक्त विधि	
3.4	परिकल्पना का अर्थ व परिभाषाएँ	
3.5	प्रस्तुत शोध के चर	
3.6	शोध में प्रयुक्त न्यादर्श	
3.7	शोध में प्रयुक्त उपकरण	
3.8	शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी	
चतुर्थ अध्याय	**तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण**	**51—67**
4.1	प्रस्तावना	
4.2	आंकड़ों का सारणीयन का अर्थ एवं परिभाषाएँ	
4.3	तथ्यों का प्रस्तुतीकरण, सारणीयन एवं विश्लेषण	
पंचम अध्याय	**शोध के निष्कर्ष, शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव**	**68—77**
5.1	प्रस्तावना	
5.2	शोध सारांश	
5.3	परिकल्पना के आधार पर निष्कर्ष	
5.4	प्रस्तुत शोध के शैक्षिक निहितार्थ	
5.5	भावी शोध हेतु सुझाव	
	सन्दर्भ ग्रंथ सूची	**78—79**
	परिशिष्ठ	